Total No. of Printed Pages—3

**3 SEM TDC HINH (CBCS) C 6**

**2025**

( Nov/Dec )

HINDI

( Core )

Paper : C–6

**( भारतीय काव्यशास्त्र )**

*Full Marks* : 80
*Pass Marks* : 32

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्''—यह किस आचार्य की उक्ति है?

(ख) 'नाट्यशास्त्र' किसकी रचना है?

(ग) 'वक्रोक्ति सम्प्रदाय' के उद्भावक आचार्य कौन हैं?

(घ) ध्वनि-सिद्धांत की स्थापना किस आचार्य ने की थी?

(ङ) क्षेमेन्द्र ने औचित्य के कितने भेदों की चर्चा की है?

(च) 'अलंकार सर्वस्व' किसकी रचना है?

(छ) रीति को काव्य की आत्मा किस आचार्य ने माना है?

(ज) आचार्य भरतमुनि के अनुसार रस की संख्या कितनी है?

**2.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 4×4=16

(क) काव्य-प्रयोजन

(ख) काव्य में अलंकार का स्थान

(ग) रस निष्पत्ति

(घ) संचारी भाव

(ङ) रीति के भेद

(च) आचार्य भामह

**3.** काव्य-लक्षण को परिभाषित करते हुए संस्कृत आचार्यों द्वारा बताये गये विभिन्न काव्य-लक्षणों पर विचार कीजिए। 14

**अथवा**

काव्य-हेतु क्या है? विभिन्न काव्य-हेतुओं का विश्लेषण कीजिए।

**4.** साधारणीकरण को परिभाषित करते हुए इसके संबंध में विभिन्न आचार्यों के द्वारा प्रस्तुत मतों की विवेचना कीजिए। 14

**अथवा**

अलंकार पर विचार करते हुए उसे विभिन्न आचार्यों की व्याख्याओं के संदर्भ में विवेचित कीजिए।





**5.** रीति की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए रीति को काव्य की आत्मा कहने के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए। 14

**अथवा**

ध्वनि के स्वरूप का विवेचन करते हुए ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं का वर्णन कीजिए।

**6.** वक्रोक्ति के स्वरूप का विवेचन कीजिए। एक सम्प्रदाय के रूप में वक्रोक्ति की परंपरा का विश्लेषण कीजिए। 14

**अथवा**

क्षेमेन्द्र के औचित्य-सिद्धांत को विश्लेषित कीजिए। इसकी महत्ता, आवश्यकता एवं विशेषताओं को निरूपित कीजिए।

★★★